

आविष्कार की प्रामाणिकता के लिए पूर्णतया संदेह रहित हो।

**निश्चायक सबूत** पुं. (तत्.+अर.) विधि. ऐसा प्रमाण जिससे वास्तविक निर्णय तक पहुँचना संभव हो। conclusive proof

**निश्चायक साक्ष्य** पुं. विधि. ऐसी तथ्य पोषक सामग्री जो सही निर्णय तक पहुँचा सके। conclusive evidence

**निश्चिंत** वि. (तत्.) 1. जिसे कोई चिंता न हो, चिंता रहित 2. मस्त 3. विचार हीन जैसे- वह निश्चिंत घूमता है।

**निश्चिंतता** स्त्री. (तत्.) [निश्चिंत+ता प्रत्यय] 1. निश्चिंत होने की अवस्था या भाव 2. बेफ़िक्री 3. विचारहीनता।

**निश्चित** वि. (तत्.) 1. जिस विषय में पूरी तरह व अंतिम रूप से निश्चय किया जा चुका हो 2. जिसे परिवर्तित नहीं किया जा सकता हो 3. जो बिल्कुल ठीक हो।

**निश्चितता** स्त्री. (तत्.) [निश्चित+ता प्रत्यय] 1. निश्चित का भाव या अवस्था टि. निश्चय शब्द भी इसी अर्थ को व्यक्त करता है। definiteness, certainty

**निश्चित प्राय** वि. (तत्.) 1. जिसका व्यावहारिक रूप से निश्चय किया जा चुका हो, पक्का, विश्वसनीय क्रि.वि. लगभग निश्चित जैसे- यहाँ उत्सव होना निश्चितप्राय है।

**निश्चिती** स्त्री. (तत्.) 1. निश्चय या निर्णय करने की क्रिया 2. पक्का करने की स्थिति 3. संकल्प।

**निश्चेत** वि. (तत्.) 1. जो चेतन अवस्था में न हो या सुध-बुध खो चुका हो 2. अचेत, बेहोश उदा. वह व्यक्ति घायल होकर निश्चेत पड़ा है।

**निश्चेतक** पुं. (तत्.) चिकि.वि. शरीर को या शरीर के किसी अंग को संवेदनाशून्य या रोगी को बेहोश करने वाला कोई चिकित्सकीय पदार्थ वि. किसी भी जीव प्राणी को चेतना से रहित करने वाला, विचार शून्यक, चेतनाशून्यक chloroform

**निश्चेतन** पुं. (तत्.) [निस्+चेतन] 1. जो चेतना रहित हो, अचेत 2. मूर्च्छित, बेहोश 3. जड़।

**निश्चेतनकारी** वि. (तत्.) दे. निश्चेतक।

**निश्चेय** वि. (तत्.) धरोहर की तरह जिसे रखा जा सकता है, स्थापना के योग्य, रखने योग्य।

**निश्चेष्ट** वि. (तत्.) 1. जिसमें चेष्टा या गति न हो, चेष्टारहित 2. बेहोश, अचेत 3. अचल, स्थिर विलो. सचेष्ट।

**निश्चेष्टता** स्त्री. (तत्.) [निश्चेष्ट+ता] 1. चेष्टा रहित होने की स्थिति या भाव, बेहोशी 2. अकर्मण्यता चिकि.वि. किसी रूग्ण या आहत व्यक्ति की चेतना शून्यता जिसका उपचार चिकित्सकों द्वारा होता है।

**निश्छल** वि. (तत्.) 1. जो छल-कपट के व्यवहार से रहित हो, निष्कपट 2. सरल प्रकृति वाला, सीधा साधा।

**निश्छलता** स्त्री. (तत्.) 1. निश्छल होने की अवस्था/भाव या गुण 2. छल कपट भाव की शून्यता।

**निश्छल संवेग** पुं. (तत्.) मनो. 1. व्यक्ति के मनोभाव या भाव जो छल-कपट से दूर हो, सरल एवं सह भाव 2. व्यक्ति के वे मनोवेग जो पाखंड रहित एवं उत्साह युक्त हो 3. व्यक्ति की वह मानसिक अनुभूति जो पूर्णतया सरलता व सच्चाई से युक्त हो।

**निश्चम** पुं. (तत्.) 1. किसी कार्य को करते हुए सतत उत्साह युक्त बने रहना 2. अध्यवसाय 3. उत्साह व परिश्रम पूर्वक किया जाने वाला कार्य।

**निश्चयणी** स्त्री. (तत्.) काठ की सीढ़ी या नसेनी जिसके आश्रय से ऊपर तक एक निश्चित बिंदु तक चढ़ा जाता है तथा ऊपर से नीचे उतरा जाता हो।

**निश्चयणी** स्त्री. (तत्.) दे. निश्चयणी।

**निश्चयस** पुं. (तत्.) 1. दैहिक, दैविक, भौतिक सभी प्रकार के सांसारिक कष्टों से मुक्ति 2. कल्याण, शांति 3. मोक्ष।

**निश्वसन** पुं. (तत्.) 1. साँस बाहर छोड़ने की क्रिया या भाव, रेचक चिकि. किसी औषधि के